

मैं मशली दरयावा दी

मैं मशली दरयावा दी पौषाहारी तारे ता तर्दी आ,
मैं पानी दे विच रह के भी बाबे दा सिमरन करदी हां,
मैं मशली दरयावा दी पौषाहारी तारे ता तर्दी आ,

तेरे मोरा दी जद आवाज सुने मैनु लगदा बाबा आउ होने,
लेजा नाल सिंघ्या वालेया वे,
अकली दा न कोई दर्दी आ,
मैं मशली दरयावा दी पौषाहारी तारे ता तर्दी आ,

तेरी पौन दे पैन हुलारे वे तेरे दुभदे लगने किनारे वे,
तेरे धुनें दा कद निगह मिलु मैं पानी दे विच ठरदी आ,
मैं मशली दरयावा दी पौषाहारी तारे ता तर्दी आ,

तेरे चल के गुफा ते आवा मैं,
तेरा रज के दर्शन पावा मैं,
तेरे दर दी गोली बनगी आ,
आवा बाहर पानी को मरदी आ,
मैं मशली दरयावा दी पौषाहारी तारे ता तर्दी आ,

Source:

<https://www.bharattemples.com/main-mashali-daryaava-di-taare-ta-tardi-aa/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>